पाक्षिक

खबर आस पास

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

'जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।'

संपादक :सत्येन्द्र राजवंशी मो. 9587570001 Email : khabaraaspass@gmail.com

वर्ष : 1 | अंक : डिजिटल | बीकानेर : सोमवार 13 जुलाई 2026 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1.00 रुपया

जनसेवा में समर्पित अधिकारी एवं कर्मचारी सुशासन के आधार स्तंभ, सरकार ने कर्मचारी कल्याण की दिशा में उठाए ऐतिहासिक कदम

जन-विश्वास को और मजबूत करने वाला हो प्रत्येक प्रयास व नवाचार : मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ धरातल पर उतारने से ही सुशासन स्थापित होता है। इसके लिए सक्षम, प्रेरित और संतुष्ट कार्मिक व्यवस्था सबसे महत्वपूर्ण आधार है। राज्य सरकार ने इसी सोच के अनुरूप कर्मचारी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पदोन्नति प्रक्रिया को सरल बनाया है। साथ ही, सचिवालय की प्रशासनिक क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, ताकि कार्मिकों का मनोबल बढ़ने के साथ शासन व्यवस्था और अधिक प्रभावी बन सके।

मुख्यमंत्री का रविवार को राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी एवं सचिवालय कर्मचारी संघ ने पदोन्नति के लिए अनुभव में 2 वर्ष की छूट एवं नए पदों के सृजन को लेकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नागरिक सर्वोपरि विजन को राज्य सरकार शासन की कार्य-संस्कृति का आधार बनाकर आगे बढ़ा रही है। सचिवालय सरकार की नीतियों, योजनाओं और जनकल्याणकारी निर्णयों का केंद्र है। ऐसे में हमारा हर निर्णय और प्रयास प्रदेश की 8 करोड़ जनता के विश्वास को और मजबूत करने वाला होना चाहिए। क्योंकि, प्रत्येक फाइल के पीछे किसी नागरिक की आशा, किसी किसान की उम्मीद, किसी युवा का भविष्य और किसी परिवार का विश्वास जुड़ा होता है।

कर्मचारी 'विकसित राजस्थान-2047' के सारथी-

उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी गुड गवर्नेंस की धुरी और विकसित राजस्थान-2047 के महत्वपूर्ण सारथी है। ऐसे में हमारी सरकार कर्मचारी हित में फैसले लेते हुए समयबद्ध और नियमित पदोन्नति दे रही है। इसी क्रम में कार्मिकों को पदोन्नति के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने

के लिए वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 और 2026-27 में निर्धारित अनुभव में 2 वर्ष की छूट दी गई है। इसमें प्रावधान किया गया है कि जिन कार्मिकों ने पिछले तीन वर्ष में इस छूट का लाभ नहीं लिया है, उन्हें इसका लाभ मिलेगा, इसके लिए विभिन्न सेवा नियमों में संशोधन किए जाएंगे। इस निर्णय से हजारों कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति का अवसर प्राप्त होगा तथा उनकी लंबे समय से चली आ रही अपेक्षाएं पूरी होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में भी केंद्र सरकार के अनुरूप ग्रेच्युटी की सीमा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई है। साथ ही, 30 जून को सेवानिवृत्त राज्य कार्मिकों को नोशनल वेतन वृद्धि के अनुरूप पेंशन का प्रावधान किया किया गया है। वहीं, पेंशनर के 70 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 5 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन भत्ता एवं कर्मचारी की मृत्यु होने पर 10 वर्ष तक बढ़ी हुई पारिवारिक पेंशन देने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा आरजीएचएस के तहत महिला एवं पुरुष कर्मचारियों को अपने माता-पिता या सास-ससुर में से किसी एक को चुनने का विकल्प भी दिया गया है। उन्होंने कहा कि वेतनमान से जुड़े विषयों के अध्ययन के लिए उच्च स्तरीय समिति के गठन का निर्णय लिया गया है, जो 8वें वेतन आयोग की सिफारिशों पर भी विचार करेगी। वहीं, राज्य सेवा के अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने से वे कर्मयोगी की भावना से रूल बेस्ड से रोल बेस्ड कार्यशैली की ओर अग्रसर होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार के अन्य महत्वपूर्ण फैसलों में एक वर्ष के भीतर कर्मचारी द्वारा पद त्यागने की स्थिति में उस पद को प्रतीक्षा सूची से भरा जाना एवं सेवा अवधि में स्थायी अक्षमता होने पर कार्मिक के आश्रित को भी अनुकंपा नियुक्ति दिया जाना शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में सरकार ने अहम कदम उठाए हैं। जिसके तहत अनुकंपा नियुक्ति के दायरे में पुत्रवधू को भी शामिल किया गया है। साथ ही, एकल महिला कर्मचारियों के लिए चाइल्ड केयर लीव 3 के स्थान पर 6 चरणों में स्वीकृत करना और कार्यस्थल पर बेहतर एवं तनावमुक्त वातावरण देने के लिए 'मुख्यमंत्री शिशु-वात्सल्य सदन' स्थापित करना भी महत्वपूर्ण कदम है।

नई तकनीक, ई-गवर्नेंस और पेपरलेस व्यवस्था को अपनाएं- मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बदलते समय के साथ प्रत्येक कर्मचारी और अधिकारी को मिशन कर्मयोगी की भावना के अनुरूप नई तकनीक, ई-गवर्नेंस और पेपरलेस व्यवस्था को अपनाकर प्रशासन को और अधिक दक्ष, पारदर्शी और जन-कल्याणकारी बनाना होगा। उन्होंने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों से आह्वान करते हुए कहा कि अपनी कार्यकुशलता, नवाचार और सेवा भावना से राजस्थान को सुशासन के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के अध्यक्ष अभिमन्यु शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों की मांगों पर संवेदनशील फैसले लिए हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि समस्त कर्मचारी सरकार की भावना के अनुरूप जनहित की दिशा में पूर्ण समर्पण और निष्ठा के साथ काम करेंगे।

दक्षिण भारत की स्वर कोकिला एस. जानकी का 88 वर्ष की आयु में हुआ निधन

छह दशक से अधिक के करियर में 17 भाषाओं में गाए लगभग 48 हजार गीत, संगीत जगत में शोक की लहर

बेंगलुरु, एजेंसी।

दक्षिण भारत की स्वर कोकिला के नाम से विख्यात दिग्गज पार्श्व गायिका एस. जानकी का 88 वर्ष की आयु में 11 जुलाई को मैसूर के अपोलो अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन से भारतीय संगीत जगत ने अपनी सबसे महान और बहुमुखी आवाज़ों में से एक को खो दिया है। उनके परिवार ने मीडिया को बताया कि दिल का दौरा पड़ने के बाद उनका निधन हो गया।

एस. जानकी के निधन की पुष्टि उनकी पोती अप्सरा वैदुला ने की। उनके निधन का समाचार सामने आते ही फिल्म और संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई। देशभर के संगीतकारों, गायकों, अभिनेताओं और प्रशंसकों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

करीब छह दशक से अधिक लंबे संगीत सफर में एस. जानकी ने 17 भाषाओं में लगभग 48,000 गीत गाए। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और हिंदी सहित अनेक भारतीय भाषाओं में उनकी सुरीली आवाज़ ने करोड़ों श्रोताओं के दिलों में विशेष स्थान बनाया। हिंदी फिल्मों में उनके गाए यार बिना चैन कहाँ रे, बोल बेबी बोल और दिल में हो तुम जैसे गीत आज भी बेहद लोकप्रिय हैं। वहीं दक्षिण भारतीय सिनेमा में उनके हजारों गीत संगीत प्रेमियों की अमूल्य धरोहर माने जाते हैं। अपनी मधुर आवाज़, भावपूर्ण गायन और बहुमुखी प्रतिभा के कारण एस. जानकी को भारतीय पार्श्व गायन की महानतम हस्तियों में गिना जाता है। उनके निधन से भारतीय संगीत जगत में एक ऐसा शून्य पैदा हुआ है, जिसकी भरपाई करना कठिन होगा। हालांकि उनकी आवाज़ और उनके अमर गीत सदैव संगीत प्रेमियों के दिलों में गूंजते रहेंगे।

ईरान ने होर्मुज में कमर्शियल शिप पर किया अटैक

11 भारतीय थे सवार, अब भारत का आया रिएक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी।

होर्मुज स्ट्रेट में एक कमर्शियल जहाज पर हुए हमले के बाद भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. ओमान तट के पास हुए इस हमले में त्नस्नस् त्नड्डद्यड्ड×4 नामक जहाज पर 11 भारतीय नागरिक सवार थे. भारत सरकार ने बताया कि इनमें से 10 भारतीयों को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय अब भी लापता है. विदेश मंत्रालय (स्ब्ध्र) ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि ओमान स्थित भारतीय दूतावास लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर राहत एवं बचाव अभियान में समन्वय कर रहा है.

MEA ने हमले की कड़ी निंदा की

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि भारत ओमान तट के पास कमर्शियल जहाज त्नस्नस् त्नड्डद्यड्ड×4 पर हुए हमले की कड़ी निंदा करता है. मंत्रालय के मुताबिक, जहाज पर मौजूद 11 भारतीयों में से 10 को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि एक भारतीय

नागरिक के लापता होने की सूचना है।

MEA ने कहा कि ओमान में भारतीय दूतावास लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए है और ओमानी अधिकारियों के साथ मिलकर खोज एवं बचाव अभियान में सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है. भारत ने इस सहायता के लिए ओमान सरकार का आभार भी जताया।

भारत ने तनाव कम करने की अपील की

भारत ने क्षेत्र में लगातार कमर्शियल जहाजों पर हो रहे हमलों को गंभीर चिंता का विषय बताया. विदेश मंत्रालय ने सभी पक्षों से तत्काल तनाव कम करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की. बयान में कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर व्यावसायिक जहाजों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जाना बंद होना चाहिए. साथ ही अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत समुद्री व्यापार और नौवहन को बिना किसी बाधा के जल्द से जल्द बहाल किया जाना चाहिए।

ईरान ने जहाज पर फायरिंग के बाद बंद किया होर्मुज स्ट्रेट

यह घटना ऐसे समय हुई है जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है. ईरान ने दावा किया कि उसकी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने साइप्रस के झंडे वाले कंटेनर जहाज पर कार्रवाई की, क्योंकि वह कथित तौर पर अधिकृत समुद्री मार्ग के बजाय दूसरे रास्ते से गुजर रहा था। द्धत्रत्नष्ट का कहना है कि कई जहाजों को निर्धारित शिपिंग कॉरिडोर से गुजरने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन उन्होंने निर्देशों का पालन नहीं किया. ईरान ने फायरिंग को 'चेतावनी स्वरूप की गई कार्रवाई' बताया और इसके बाद होर्मुज स्ट्रेट को अगली सूचना तक बंद करने का ऐलान कर दिया।

नीता अंबानी ने फॉर्च्यून इंडिया की सबसे शक्तिशाली महिला का खिताब जीता

यह सम्मान शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र योगदान के लिए दिया गया

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश की जानी-मानी उद्योगपति और रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी को फॉर्च्यून इंडिया की सबसे शक्तिशाली महिलाएं 2026 की सूची में पहला स्थान मिला है। यह सम्मान उन्हें केवल कारोबारी दुनिया में प्रभाव के लिए नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक विकास के क्षेत्र में उनके लंबे समय से किए जा रहे योगदान के लिए दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट में फॉर्च्यून इंडिया के मुताबिक रिलायंस फाउंडेशन के जरिए अब तक 10 करोड़ से अधिक लोगों तक कई सामाजिक योजनाओं का लाभ पहुंचाया गया है। इनमें करीब 2.9 करोड़ बच्चे भी शामिल हैं, जिन्हें शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाएं मिली हैं। मुंबई में आयोजित फॉर्च्यून इंडिया की सबसे शक्तिशाली महिलाएं 2026 कार्यक्रम में देशभर की 100 प्रभावशाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस सूची में बिजनेस, फाइनेंस, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, पब्लिक पॉलिसी और स्टार्टअप जगत की कई प्रमुख महिला नेताओं को शामिल किया गया। कार्यक्रम में नेतृत्व, एआई, वित्तीय सशक्तिकरण, उद्यमिता, समावेशी विकास और विकसित भारत जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इस मौके पर नीता अंबानी ने कहा कि नेतृत्व का मतलब केवल सफलता हासिल करना नहीं है, बल्कि ऐसा माहौल बनाना भी है जहां हर व्यक्ति को आगे बढ़ने का मौका मिले। उन्होंने कहा कि अगर भारत को भविष्य में और मजबूत बनाना है तो लड़कियों की शिक्षा, स्वास्थ्य और अवसरों में निवेश करना सबसे जरूरी है। उनका मानना है कि महिलाओं को केवल आर्थिक सेवाओं तक पहुंच देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें संपत्ति बनाने और वित्तीय फैसले लेने में भी सक्षम बनाना होगा।

एशियन अंडर-23 चैंपियनशिपः आनंद सिंह ने भाले से नापी 80.57 मीटर की दूरी, करियर के 'बेस्ट थ्रो' के साथ जीता गोल्ड

ओरडोस, एजेंसी।

एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में रविवार को भारत के आनंद सिंह ने पुरुषों की जैवलिन थ्रो (भाला फेंक) स्पर्धा में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। आनंद ने पहली बार 80 मीटर का आंकड़ा पार किया है।

चीन के ओरडोस में अपने पहले अंतरराष्ट्रीय इवेंट में हिस्सा लेते हुए, 22 वर्षीय आनंद ने 80.57 मीटर

का पर्सनल बेस्ट थ्रो किया। उन्होंने अपने पिछले बेस्ट थ्रो में 2.89 मीटर का सुधार करते हुए 80 मीटर का आंकड़ा पार किया।

उत्तर प्रदेश के इस एथलीट ने चैंपियनशिप में 77.68 मीटर के पर्सनल बेस्ट के साथ एंट्री की थी, जो उन्होंने 28 जून को भुवनेश्वर में नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हासिल किया था। वह थ्रो छठे और आखिरी राउंड में आया था। उस चैंपियनशिप में वह रोहित यादव, यशवीर सिंह और सचिन यादव के बाद चौथे स्थान पर रहे थे।

विंबलडन 2026: गुओ हान्यू और क्रिस्टीना म्लादेनोविक ने जीता महिला युगल का खिताब

लंदन, एजेंसी।

चीन की गुओ हान्यू और फ्रांस की क्रिस्टीना म्लादेनोविक की जोड़ी ने रविवार को विंबलडन 2026 महिला युगल का खिताब जीत लिया। फाइनल में दसवीं वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने दूसरी वरीयता प्राप्त कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोव्स्की और ब्राजील की लुइसा स्टेफनी को सीधे सेटों में 6-3, 7-5 से हराया। हान्यू और क्रिस्टीना का साथ खेलते हुए यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। फाइनल में गुओ और म्लादेनोविक ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया। उन्होंने पहले सेट में तेज खेल दिखाते हुए 5-0 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि डाब्रोव्स्की और स्टेफनी ने लगातार तीन गेम जीतकर वापसी की कोशिश की, लेकिन पहला सेट बचा नहीं सकीं और 6-3 से गंवा बैठीं।दूसरे सेट में मुकाबला काफी रोमांचक रहा। दूसरी वरीय जोड़ी ने कई मौकों पर बढ़त बनाने की कोशिश की, लेकिन म्लादेनोविक के मजबूत फोरहैंड और दोनों खिलाड़ियों की शानदार तालमेल ने उन्हें बराबरी पर बनाए रखा। 5-5 की स्थिति पर गुओ हान्यू ने बेहतरीन क्रॉस-कोर्ट बैकहैंड विनर लगाकर महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया। इसके बाद म्लादेनोविक ने सर्विस गेम में संयम दिखाते हुए फोरहैंड विनर के साथ मैच और खिताब अपने नाम कर लिया।यह जीत दोनों खिलाड़ियों के लिए बेहद खास रही। गुओ हान्यू का यह पहला ग्रैंड स्लैम फाइनल था, जबकि 34 वर्षीय क्रिस्टीना म्लादेनोविक ने अपने करियर का सातवां महिला युगल ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इससे पहले वह 2018 से 2022 के बीच छह ग्रैंड स्लैम डबल्स खिताब जीत चुकी हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

गड़बड़ियों पर आरएसएस ने जताई चिंता, कहा - 'भविष्य में कोई...'

तीर्थ क्षेत्र न्यास से यह अपेक्षा की गई कि वह यह सुनिश्चित करे कि भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो. इससे समस्त राम भक्त राम मंदिर के प्रति श्रद्धा और गहरी आस्था पर आघात हो

नई दिल्ली, एजेंसी।

कर्नाटक के बेलगावी में 12 जुलाई को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बैठक हुई. यह संघ की अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक थी. इसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान जिस बात ने खींचा, उसमें अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे की गिनती में हुई अनियमितता की बैठक के बाद दुख जाहिर किया।

बेलगावी में संघ की यह वार्षिक तीन दिवसीय बैठक थी. इस बैठक में अयोध्या राम मंदिर खजाना चोरी का मुद्दा गरमाया रहा. संघ ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए, इस पूरे विवाद में कानूनी कार्रवाई पर विश्वास जताया है।

राम मंदिर मामले पर क्या बोले संघ की बैठक में?

बैठक के दौरान कहा गया कि तीर्थ क्षेत्र न्यास के निवेदन पर चल रही एसआईटी एवं पुलिस कारवाई निर्णायक मोड़ पर पहुंचेगी. तीर्थ क्षेत्र न्यास से यह अपेक्षा की गई कि वह यह सुनिश्चित करे कि भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो, जिससे समस्त राम भक्त राम मंदिर के प्रति श्रद्धा और गहरी आस्था पर आघात हो।

बकायदा इससे जुड़ी एक प्रेस रिलीज भी बैठक को लेकर जारी की गई है. इसमें जनसांख्यिकी असंतुलन से होने वाली चुनौतियों, ड्रग्स और नशा मुक्ति, शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जंयती वर्ष जैसे मुख्य मुद्दों पर चर्चा की गई.

बैठक में मोहन भागवत, और दत्तात्रेय होसबाले रहे मौजूद

बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाहक दत्तात्रेय होसबाले समेत 226 कार्यकर्ता उपस्थित रहे. बैठक में मार्च 2026 के बाद विभिन्न स्तरों पर संपन्न होने वाले ट्रेनिंग कैंप की समीक्षा की गई. इस साल देशभर में 83 संघ शिक्षा वर्ग, 12 कार्यकर्ता विकास वर्ग, इनमें कुल 18842 स्वयंसेवकों ने ट्रेनिंग प्राप्त की है. इनमें शाखा संचालन, संघर कार्यपद्धति, ग्राम विकास, कुटुम्ब प्रबोधन, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण जैसे मुद्दे शामिल रहे।

पत्रकारिता विभाग की शोधार्थी ऐश्वर्या माथुर को पीएचडी की उपाधि

जयपुर (खबर आस पास)। आईआईएस (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), जयपुर के पत्रकारिता विभाग की शोधार्थी ऐश्वर्या माथुर को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने 'ह्यूमन वाइल्डलाइफ कॉन्फ्लिक्ट, दी रोल ऑफ़ रीजनल चैनल्स इन राजस्थान' (Human-Wildlife ConflictÑ Role of Regional News Channels of Rajasthan) विषय पर अपना शोधकार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया। यह शोधकार्य डॉ. अदिति पारीक के निर्देशन एवं डॉ. शिप्रा माथुर के सह-निर्देशन में संपन्न हुआ। शोध में राजस्थान के क्षेत्रीय समाचार चैनलों द्वारा मानव-वन्यजीव संघर्ष से जुड़े मुद्दों की प्रस्तुति, जनजागरूकता तथा मीडिया की भूमिका का विश्लेषण किया गया है। ऐश्वर्या माथुर अशोक दत्त माथुर एवं वीणा माथुर की सुपुत्री तथा गौरव माथुर की धर्मपत्नी हैं। उनकी इस उपलब्धि पर परिवार, गुरुजनों, एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी हैं।

पहलवानों ने गदा प्रदर्शन कर दारा सिंह जी को दी श्रद्धांजलि

(खबर आस पास)

बीकानेर। सिनेमा जगत के प्रसिद्ध अभिनेता एवं महान पहलवान दारा सिंह जी की पुण्यतिथि के अवसर पर जोड़ बीड़ हनुमान मंदिर परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पटेल बाल विहार व्यायामशाला के पहलवान नेमपाल चौहान ने शानदार गदा प्रदर्शन कर दारा सिंह जी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर के पुजारी धूड़ाराम जी सुथार द्वारा हनुमान जी एवं गदाओं के विधिवत पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय माल्हा भारोत्तोलन संघ के प्रदेशाध्यक्ष महावीर कुमार सहदेव, धूड़ाराम जी सुथार, सुरेंद्र सिंह राजपूत, वैदिक सोनी तथा अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।महावीर कुमार सहदेव ने बताया कि वर्ष 2012 से लगातार दारा सिंह जी की पुण्यतिथि विभिन्न पारंपरिक खेलों एवं व्यायाम प्रदर्शन के माध्यम से मनाई जा रही है। इसी क्रम में इस वर्ष भी गदा प्रदर्शन का आयोजन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

मंदिर पुजारी धूड़ाराम जी सुथार ने दारा सिंह जी के प्रेरणादायी जीवन एवं उनके योगदान पर प्रकाश डाला। वहीं सुरेंद्र सिंह राजपूत ने कहा कि जब भी दारा सिंह जी का नाम लिया जाता है, तो रामायण में निभाई गई उनकी हनुमान जी की अमर भूमिका स्वतः स्मरण हो जाती है। उन्होंने कहा कि दारा सिंह जी ने अपने अभिनय और व्यक्तित्व से भारतीय संस्कृति एवं परंपरा को नई पहचान दिलाई।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय कुमार चांडक ने दारा सिंह जी के फिल्मी एवं खेल जीवन पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से उनके अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्रप्रेम से प्रेरणाज्ञ लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट गदा प्रदर्शन के लिए पहलवान नेमपाल चौहान का सम्मान किया गया।

टैक्सी में बैठकर घर जा रहे एक युवक के साथ लूट की वारदात

बीकानेर (खबर आस पास)। जेएनवीसी थाना क्षेत्र में टैक्सी में बैठकर घर जा रहे एक युवक के साथ लूट की वारदात सामने आई है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। डेलाणा छोटा निवासी मेघराज जाट ने पुलिस को बताया कि वह डूंगर कॉलेज के पास से रामपुरा बस्ती जाने के लिए टैक्सी में बैठा था। रास्ते में टैक्सी चालक उसे मेडिकल ग्राउंड के पास सुनसान स्थान पर ले गया। वहां चालक ने उसके साथ मारपीट कर सोने की अंगूठी, चांदी का कड़ा, जेब में रखे 400-500 रुपये तथा कानों में पहनी बालियां छीन लीं। मारपीट में उसके कान भी घायल हो गए।घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। आसपास खेल रहे बच्चों ने घायल को संभालकर पीबीएम अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपी अनिल नायक को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की गई है।

बीकानेरः ड्रग्स तस्करी और फर्जी दस्तावेज मामले में ईरान के तीन नागरिकों को 5-5 साल की सजा

(खबर आस पास)

बीकानेर। विशेष न्यायालय (एनडीपीएस एक्ट प्रकरण) के पीठासीन अधिकारी प्रमोद बंसल ने बीकानेर में भारतीय फर्जी दस्तावेजों के सहारे ड्रग्स तस्करी और अवैध रूप से रहने के एक संवेदनशील मामले में ईरान के तीन लोगों को 5-5 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा कुल 3.30 लाख रुपए का अर्थदंड लगाया है। अर्थदंड की राशि जमा नहीं कराने पर 9-9 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने टिप्पणी की कि मादक पदार्थों का व्यसन एक अंतरराष्ट्रीय समस्या है और ऐसे अपराधों पर कठोर नियंत्रण रखना समाज और देश की सुरक्षा के लिए न्यायोचित है।पर्यटकों के घूमने-फ़िरने की जगहें भारतीय पहचान पत्रों का अवैध इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में चालान पेश किया था। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई कर ईरान निवासी तीनों आरोपियों को दोषी माना। जोधपुर निवासी आरोपी सुनील बिश्नोई को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से कोर्ट में 20 गवाहों के बयान हुए। राज्य की ओर से पैरवी हरीश भट्टड़ ने की।

लूणकरणसर के चक आरडी 298 फुलदेसर की डिग्गी डूबने से बुजुर्ग किसान की मौत

बीकानेर (खबर आस पास)। जिले में पिछले कुछ समय में लगातार खेत में सिंचाई के लिए बनी पानी की डिग्गियों में लोगों के डूबने के कई मामले सामने आए हैं। अब लूणकरणसर क्षेत्र में खेत में बनी डिग्गी में बुजुर्ग किसान के डूबने का दर्दनाक हादसा सामने आया है। घटना चक आरडी 298 फुलदेसर की है। जहां रविवार सुबह एक किसान के डिग्गी में गिरने की सूचना मिली, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की मौके पर भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही लूणकरणसर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

साहित्य, संगीत और कलाओं को समर्पित संस्था 'अमराई' द्वारा साहित्यकारों के लिए लघुकथा प्रतियोगिता

(खबर आस पास)

जयपुर। साहित्य, संगीत और कलाओं को समर्पित संस्था 'अमराई' द्वारा राजस्थान के साहित्यकारों के लिए लघुकथा प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के अध्यक्ष साकार श्रीवास्तव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि अमराई का यह सतत प्रयास रहता है कि स्थापित एवं वरिष्ठ साहित्यकारों एवं कलाकारों के सम्मान के साथ नवांकुर व युवा साहित्यकारों, कलाकारों व उनकी गतिविधियों को प्रोत्साहन मिले। साहित्यगोष्ठी व अन्य सहयोगी कार्यक्रमों में सभी की सहभागिता रहे।

इस क्रम में इस बार राजस्थान के साहित्यकारों के लिए लघुकथा प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगी लेखक की आयु सीमा नहीं हैं। रचना 500 शब्द से अधिक न हो। तीन श्रेष्ठ लघुकथाओं को पुरस्कृत किया जाएगा तथा चयनित रचनाओं संस्था की वार्षिक स्मारिका में प्रकाशित किया जाएगा। प्रतियोगिता के लघुकथाएँ 31 जुलाई 2026 तक अध्यक्ष, अमराई के वाट्स एप (9414849845) पर स्वीकार की जाएगी।

सत्यदीप की औपन्यासिक कृति 'चोटी रै गांठ' का लोकार्पण

ऐतिहासिक उपन्यास अतीत का पुनर्लेखन नहीं : डॉ. चेतन स्वामी

विमर्श की दृष्टि से 'चोटी रै गांठ' ब्राह्मण विमर्श का पहला भारतीय उपन्यास - हरीश बी. शर्मा

बीकानेर (खबर आस पास)। मरूभूमि शोध संस्थान द्वारा आयोजित राजस्थानी उपन्यास 'चोटी रै गांठ' का लोकार्पण और पुस्तक चर्चा समारोह राष्ट्र भाषा हिंदी प्रचार समिति के संस्कृति भवन में रविवार सुबह जाने-माने साहित्यकारों व साहित्य प्रेमियों की उपस्थिति में उल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ।

मुख्य अतिथि मालचंद तिवाड़ी ने कहा कि ऐतिहासिक उपन्यास के रचाव में गल्प का समावेश सबसे बड़ी सृजनात्मक चुनौती है। इतिहास के प्रमाणित तथ्यों की विश्वसनीयता बनाए रखते हुए कथा की रोचकता, पात्रों की संवेदनात्मक प्रस्तुति और कल्पना का संतुलित प्रयोग ही उपन्यास की सफलता का आधार बनता है। इतिहास और कल्पना के इसी संतुलन से पठनीय व कालजयी रचना जन्म लेती है।

इससे पूर्व साहित्यकार रवि पुरोहित ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा करते हुए कहा कि चाणक्य का जीवन केवल सत्ता प्राप्ति का आख्यान नहीं, समग्र राष्ट्र-निर्माण द्योतक है। शिक्षा, अनुशासन, नेतृत्व, रणनीति और राष्ट्रीय हित- ये सभी मूल्य आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने मौर्यकाल में थे। आज जब समाज सूचना के विस्फोट, वैचारिक ध्रुवीकरण और त्वरित निर्णयों के दौर से गुजर रहा है, तब ऐतिहासिक उपन्यास हमें धैर्य, विवेक और दूर दृष्टि का महत्त्व याद दिलाते हैं।

डॉ. चेतन स्वामी ने कहा कि ऐतिहासिक उपन्यास अतीत का पुनर्लेखन नहीं, बल्कि उसके साथ एक सृजनात्मक संवाद है। लेखक का दायित्व केवल मनोरंजन करना नहीं, बल्कि इतिहास की आत्मा को सुरक्षित रखते हुए उसे वर्तमान की चेतना से जोड़ना भी है।

साहित्यकार हरीश बी. शर्मा ने पत्र वाचन करते हुए कहा कि चाणक्य के जीवन की घटनाओं से गूंथे इस उपन्यास में अर्थशास्त्र की नीतियों का संवादों में प्रयोग किया गया है। विमर्श की दृष्टि से कहा जाए तो ब्राह्मण विमर्श का पहला भारतीय उपन्यास है और चाणक्य पर लिखा राजस्थानी का पहला उपन्यास। यह उपन्यास राजस्थानी के सामर्थ्य का प्रकटीकरण है। अगर यह उपन्यास एमए राजस्थानी के पाठ्यक्रम के लिए चुना जाता है तो राजस्थानी भाषा, व्याकरण और लोकोक्तियों के लिए अलग से किसी पुस्तक की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

लोकार्पण समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में विचार रखते हुए भाषाविद् डॉ. मदन सैनी ने चाणक्य उपन्यास को कई विमर्शों को जन्म देने वाला बताया। सैनी ने कहा कि दृष्टि और रचाव में सामंजस्य ही किसी कृति को पठनीय और विचारणीय बनाते हैं। बी.एल. भादानी ने कहा कि ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित इस तरह के उपन्यासों पर ऐतिहासिक दृष्टि से विवेचना वर्तमान की प्रासंगिकता है। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए साहित्यकार श्याम महर्षि ने कहा कि सत्यदीप की सर्जनात्मक ऊर्जा और साहित्यिक समर्पण को समाजोन्मुखी बताते हुए सामाजिक सरोकारों की महत्ती जिम्मेदारी के प्रति जागरूक व सजग रहने के लिए चेताया।

साहित्यकार भगवती पारीक के संयोजन में सम्पन्न समारोह में श्रीभगवान सैनी, सीमा भोजक व महेश जोशी ने अपनी पाठकीय टीप प्रस्तुत की।

इस अवसर पर गजानंद सेवग, रामचन्द्र राठी, भंवरलाल भोजक, सत्यनारायण योगी, महावीर माली, बजरंग शर्मा, बाबूलाल सेवग, विजय महर्षि, छगनलाल सेवदा, विश्वनाथ तंवर, डॉ. रितेश व्यास, प्रवीण शर्मा, महावीर पंगाल, तुलसीराम चौरड़िया, श्याम सुंदर आर्य, गिरधारी कानूनगो, ओम गुरावा, विजय राज सेवग, मनीष शर्मा, भगवानदास शर्मा, शुभकरण पारीक , संजय शर्मा , राजीव श्रीवास्तव, नारायण शर्मा, लक्ष्मीनारायण सेवग, देवीलाल सेतरावा, विशाल स्वामी, राजू हीरावत, राजेश शर्मा, रमाकांत झंवर, संजय पारीक, कपिला स्वामी, आशा आचार्य, कांता भोजक, सरोज शर्मा, पुष्पा शर्मा सरिता, पूनम आदि उपस्थित रहे।

सम्यक दर्शन कार्यशाला , 'तेरापंथ दर्शन' पुस्तक का हुआ विमोचन

श्री डूंगरगढ़, (खबर आस पास)। समण संस्कृति संकाय एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सम्यक दर्शन कार्यशाला-2026 के अंतर्गत 'तेरापंथ दर्शन' पुस्तक का विमोचन किया गया। यह कार्यशाला प्रतिवर्ष आचार्यों की प्रेरक एवं ज्ञानवर्धक कृतियों पर आधारित विषयों के माध्यम से श्रावक-श्राविकाओं एवं युवाओं में तत्त्वज्ञान, स्वाध्याय एवं सम्यक दृष्टि के विकास हेतु आयोजित की जाती है।

इस वर्ष सम्यक दर्शन प्रतियोगिता के लिए पुस्तक 'तेरापंथ दर्शन' निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता का उद्देश्य तेरापंथ दर्शन के मूल सिद्धांतों का व्यापक अध्ययन करवाना तथा युवाओं एवं समाज में अध्ययनशीलता और आध्यात्मिक जागरूकता का विस्तार करना है।

कार्यक्रम सेवा केंद्र व्यवस्थापिका साध्वीश्री लक्ष्यप्रभाजी के पावन सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। अपने उद्बोधन में साध्वीश्री ने कहा कि तेरापंथ दर्शन का नियमित अध्ययन व्यक्ति के चिंतन को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है तथा आत्मकल्याण और व्यक्तित्व निर्माण का प्रभावी माध्यम बनता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को नियमित स्वाध्याय कर प्रतियोगिता में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर समण संस्कृति संकाय प्रभारी पवनजी बरड़िया, क्षेत्रीय प्रभारी मधु जी झाबक, तेरापंथ युवक परिषद, श्री डूंगरगढ़ के मंत्री पीयूष बोथरा, सहमंत्री सुमित बरड़िया उपस्थित रहे।

पदाधिकारियों ने बताया कि *सम्यक दर्शन कार्यशाला* समण संस्कृति संकाय एवं अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद का संयुक्त उपक्रम है। प्रतियोगिता का निर्धारित पाठ्यक्रम 'तेरापंथ दर्शन' पुस्तक एवं उस पर आधारित प्रवचन श्रृंखला है। प्रतिभागियों के व्यवस्थित स्वाध्याय के लिए 12 जुलाई 2026 से तेरापंथ दर्शन व्हाट्सएप समूहों के माध्यम से ऑनलाइन अध्ययन प्रारंभ कर दिया गया है। विषय विशेषज्ञों द्वारा नियमित ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया जाएगा। प्रतियोगिता की ऑनलाइन परीक्षा 6 सितम्बर 2026 को SAMBODHI App के माध्यम से आयोजित की जाएगी। भारत एवं विदेश से प्रतिभागी इस परीक्षा में ऑनलाइन सम्मिलित हो सकेंगे। सभी प्रतिभागियों को स्थानीय तेरापंथ युवक परिषद अथवा कार्यशाला सहयोगी के माध्यम से प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। इच्छुक प्रतिभागी 'तेरापंथ दर्शन' पुस्तक प्राप्त करने के लिए अपने स्थानीय तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष, मंत्री अथवा कार्यशाला सहयोगी से संपर्क कर सकते हैं। सहायता के लिए +91 85059 59787 पर संपर्क किया जा सकता है। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद ने देश-विदेश के सभी युवाओं एवं श्रावक-श्राविकाओं से इस ज्ञानवर्धक कार्यशाला एवं प्रतियोगिता में अधिकाधिक संख्या में सहभागिता कर स्वाध्याय की इस आध्यात्मिक यात्रा का हिस्सा बनने का आह्वान किया है।

बीकानेर में बेटे ने मां को लाठी से पीटकर उतारा मौत के घाट, पत्नी को जगाकर बोला- 'मां मर गई ', फिर हुआ फरार

बीकानेर (खबर आस पास)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ थाना क्षेत्र के बाना गांव में रविवार तड़के एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। एक बेटे ने कथित तौर पर अपनी 70 वर्षीय बुजुर्ग मां की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद उसने अपनी पत्नी को जगाकर कहा कि 'मां मर गई है।' पत्नी के शोर मचाने पर परिजन मौके पर पहुंचे तो आरोपी वहां से भाग निकला। सूचना मिलने पर पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

श्रीडूंगरगढ़ थानाधिकारी कश्यप सिंह राघव ने बताया कि मृतका की पहचान गीता देवी (70) के रूप में हुई है। हत्या के आरोप में उनके बेटे रामनिवास को हिरासत में लिया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी की जा रही है तथा मामले की जांच जारी है।

रातभर बेचैन रहा आरोपी

मृतका के दूसरे बेटे ओमप्रकाश ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि रात करीब दो बजे रामनिवास घर में लगातार इधर-उधर घूम रहा था। तड़के करीब चार बजे उसने अपनी पत्नी को उठाकर कहा कि मां की मौत हो गई है। इसके बाद पत्नी के चिल्लाने पर परिवार के अन्य सदस्य भी जाग गए।

भाई को देखते ही भाग निकला

परिजनों के अनुसार, सभी लोग बाहर सो रही गीता देवी के पास पहुंचे तो रामनिवास उनके पलंग को खिसका रहा था। इसी दौरान भाई ओमप्रकाश को सामने देखकर वह मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बाद में उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की भी चर्चा

प्रारंभिक जांच में पुलिस के सामने यह बात भी आई है कि आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है। हालांकि पुलिस अभी सभी पहलुओं की जांच कर रही है और हत्या के पीछे के वास्तविक कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पूछताछ के बाद ही पूरे घटनाक्रम की तस्वीर साफ हो सकेगी।

पुलिस ने बताया कि मामले में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फिर डिग्गी में डूबी जिन्दगी, लूणकरणसर में चक RD 298 फुलदेसर की घटना, पुलिस मौके पर !

(खबर आस पास)

बीकानेर। बीकानेर जिले में पिछले कुछ समय में लगातार खेत में सिंचाई के लिए बनी पानी की डिग्गियों में लोगों के डूबने के कई मामले सामने आए हैं. अब लूणकरणसर क्षेत्र में खेत में बनी डिग्गी में बुजुर्ग किसान के डूबने का दर्दनाक हादसा सामने आया है. घटना चक ऋष्ठ 298 फुलदेसर की है जहां रविवार सुबह एक किसान के डिग्गी में गिरने की सूचना मिली, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया. आसपास के लोगों की मौके पर भीड़ जमा हो गई. घटना की सूचना मिलते ही लूणकरणसर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की सहायता से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया. काफी देर तक कड़े प्रयासों के बाद आखिरकार शव को डिग्गी में से ढुंढकर बाहर निकाला जा सका. मृतक की पहचान रोझा गांव का निवासी भंवरलाल पुत्र रामचंद्र रोझ के रूप में हुई. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया. फिलहाल, लूणकरणसर पुलिस मामले की जांच में जुटी है और घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है. पिछले लंबे समय से लगातार डिग्गी में लोगों के डूबकर मरने की घटनाएं चिंताजनक है. ऐसे में खेतों में बनी ये मौत की डिग्गियों पर सुरक्षा बंदोबस्त को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं.

चोरी हुई बुलेट का 12 दिन बाद भी नहीं हुआ दर्ज मुकदमा, पुलिस थाना से चोरी हुई मोटरसाइकल

खाजूवाला (खबर आस पास)। आमतौर पर लोग अपने वाहन की सुरक्षा के लिए पुलिस पर भरोसा करते हैं, लेकिन खाजूवाला थाना परिसर से ही एक बुलेट मोटरसाइकिल चोरी हो जाने के मामले में पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दिल्ली पुलिस में कार्यरत एक सिपाही की बुलेट थाना परिसर से गायब हो गई। पीड़ित का आरोप है कि घटना की लिखित शिकायत दिए लगभग 12 दिन बीत चुके हैं लेकिन अब तक न मुकदमा दर्ज हुआ है और न ही कोई ठोस कार्रवाई हुई। खाजूवाला क्षेत्र के गुल्लूवाली निवासी अनिल, जो दिल्ली की पुलिस में प्रधान सिपाही हैं। लगभग दो माह पहले दिल्ली से अपने मित्र की बुलेट (डीएल-35-डीई-4035) लेकर आए थे। वापस ड्यूटी पर लौटते समय उन्होंने मोटरसाइकिल खाजूवाला थाना परिसर में खड़ी कर दी और इसकी सूचना अपने परिचित पुलिसकर्मी को दी। हाल ही में छुट्टी पर लौटने पर जब वे बाइक लेने पहुंचे तो वहां नहीं मिली।

शिकायत करने के बावजूद भी कार्रवाई नहीं : पीड़ित का कहना है कि उसने थानाधिकारी को घटना की जानकारी देने के साथ लिखित परिवाद भी सौंपा लेकिन 10-12 दिन गुजरने के बाद भी न तो मामला दर्ज किया गया और न ही बाइक का कोई सुराग मिला। पुलिस की ओर से संतोषजनक जवाब भी नहीं दिया जा रहा।

थाना स्टाफ में भी चर्चा, आखिर बाइक कौन ले गया : थाना परिसर से वाहन चोरी होने की घटना पुलिस महकमे में भी चर्चा का विषय बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार पूरे थाना स्टाफ में इसे लेकर असमंजस की स्थिति है। अंदरखाने पुलिसकर्मियों के बीच भी एक-दूसरे पर लापरवाही और मिलीभगत के आरोप लगाए जाने की चर्चाएं हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सीमावर्ती थाने की सुरक्षा पर सवाल : खाजूवाला पुलिस थाना सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित है, जहां सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी सामान्य थानों से अधिक मानी जाती है। ऐसे में थाना परिसर से ही वाहन चोरी हो जाना सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि थाना परिसर में खड़ा वाहन सुरक्षित नहीं है तो आमजन अपने वाहनों और संपत्ति की सुरक्षा को लेकर कैसे भरोसा करें।

पहले भी हो चुकी हैं कई चोरियां : क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों के दौरान चोरी की कई वारदातें सामने आ चुकी हैं। इनमें से कई मामलों का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है। ऐसे में थाना परिसर से मोटरसाइकिल चोरी की घटना ने पुलिस की कार्यशैली और अपराध नियंत्रण पर नई बहस छेड़ दी है। थाना परिसर जैसी सुरक्षित मानी जाने वाली जगह से वाहन चोरी होना सामान्य घटना नहीं है।